

III BCA & BA 2 MARKS

1. कबीरदास के अनुसार गुरु और गोविन्द एक हैं। दोनों में अंतर नहीं है।
2. भगवान निराकार हैं और गुरु साकार हैं।
3. गुरु ने राम नाम की शिक्षा दी है।
4. कबीरदास जी गुरु से शिक्षा पाने के बाद बदले में दक्षिणा देना चाहते हैं।
5. कबीर को सद्गुरु मिल गये।
6. गुरु ने भगवान के बारे में जानकारी दी।
7. कबीर का मन भगवान की भक्ति में डूब गया जैसे आटा और नमक पानी के सहारे धूलमिल जाते हैं।
8. कबीर के मन में जाति-पांति की भावना दूर हो गयी।
9. राम नाम का स्मरण करने से पाप नष्ट हो जाते हैं। करोड़ पुण्य मिल जाते हैं।
10. राम जी का स्मरण सच्चे दिल से करना चाहिए।
11. हमें निर्भय होकर राम नाम का जप करना चाहिए।
12. दीप में जब तक तेल होता है तब तक बत्ति जलती रहती है।
13. तेल खतम होते ही दीप बुझ जाती है।
14. ईश्वर के बारे में जानकारी रखनेवाला सच्चा ज्ञानी है।
15. पाँच तत्वों से मानव का शरीर बनाया हुआ है।
16. आसमान, धरती, हवा, जल और अग्नि-पाँच तत्व।
17. शरीर के कारण मनुष्य माया बंधन में आ जाता है।
18. भवसागर से पार होने के लिए भगवद भक्ति की आवश्यकता है।
19. संसार में संपत्ति का कोई मूल्य नहीं है।
20. काल के गर्जन के साथ ब्रह्मा का आसन हिलेगा।
21. उच्च बनने के लिए मनुष्य को उच्च कर्म करनी पड़ते हैं।
22. मीरा ने रामनाम का अनमोल धन पा लिया है।
23. रामनाम रूपी धन को किसी चोर का भय नहीं है।
24. मीरा के अनुसार राम का नाम नाव के समान है।
25. मीरा नाव में बैठकर भजन करती हैं।
26. भजन के द्वारा संसार रूपी भवसागर को पार करना चाहती हैं।
27. मीरा कन्हैया के घर यानी श्रीकृष्ण के घर जाना चाहती हैं।
28. मीरा के प्रियतम श्री कृष्ण हैं।
29. रातदिन मीरा श्री कृष्ण की भक्ति में मग्न रहना चाहती हैं।
30. मीरा श्रीकृष्ण बिना एक क्षण भी नहीं रह सकती हैं।
31. मीरा बादल को जल भरकर आने को कहती हैं।
32. मीरा बादल को बुलाती हैं।
33. मीरा को कोयल की कूक सुनाई देने लगी है।

34. आकाश में बादल छाने लगे हैं।
35. मीरा अपने मन की व्यथा को अपनी सहेली को बता रही है।
36. मीरा अपने तन-मन-धन को कृष्ण के लिए न्योछावार कर दिया।
37. प्रेम और भक्ति का मार्ग बहुत ही विचित्र है।
38. मीरा चंदन की चिता बनाना चाहती है।
39. मीरा आग में जलकर भस्म होना चाहती है।
40. जलने के बाद राख को यानी भस्म को अपने श्रीकृष्ण के शरीर पर लगाने को कहती है।
41. पाषाणी कविता के कवि-नागार्जुन हैं।
42. श्रीराम के छोटे भाई का नाम लक्ष्मण है।
43. कौशल्यानंदन- कौशल्या का पुत्र राम है।
44. सुमित्रानंदन- सुमित्रा का पुत्र लक्ष्मण है।
45. राम के पिता का नाम-दशरथ।
46. राम और लक्ष्मण राक्षसों को संहार करने के लिए वन में आये।
47. पाषाणी नारी प्रतिमा को श्रीराम ने स्पर्श किया।
48. श्रीराम द्वारा पाषाणी को स्वर्श के बाद प्रतिमा जीवित हो उठी।
49. राजा दशरथ से राम और लक्ष्मण को कौशिकमुनि विश्वामित्र माँग लाए थे।
50. देशभ्रमण के दसवें दिन श्रीराम अहल्या से मिले।
51. अहल्या को उनके पति गौतम ऋषि ने शाप दे दिया था।
52. इन्द्र ने गौतम ऋषि को रूप-आकृति-स्वाभाव धारण कर लिया था।
53. अहल्या के पति का नाम मुनि गौतम है।
54. अहल्या ने श्रीराम के स्नेहदान के लिए उन्हें कोटि कोटि धन्यवाद दिया।
55. उत्तर दिशा की ओर एक झोंपड़ी थी।
56. जमीर पर एक नारी प्रतिमा पड़ी थी।
57. राम नारी की पाषाण मूर्ति को देख कर दंग रह गए।
58. श्रीराम के द्वारा स्वर्श पाने से पाषाणी प्रतिमा में जीवन संचार हो गया।
59. कोसलदेश के राजा का नाम दशरथ।
60. दुष्ट राक्षसों को संहार के लिए मुनि विश्वामित्र राम और लक्ष्मण को महाराजा दशरथ से माँग लाए थे।
61. बिजलियां गिरने नहीं देंगे कविता के कवि महेन्द्र भटनागर हैं।
62. युद्ध का डंका बजने पर भी शान्ति का झंडा झुकने नहीं देंगे।
63. युद्ध का डंका बजने नहीं देंगे।
64. इतिहास के आरम्भ से हम इनसानियत में, शांति में विश्वास रखते हैं।
65. हम व्यर्थ में किसी के रास्ते में समस्या नहीं डालते हैं।
66. हमारे पास विश्व-मैत्री का प्यार का संदेश है।
67. हम गौतम और गाँधी को हृदय के पास रखते हैं।

68. हमें नादान बच्चों की हँसी बड़ी प्यारी लगती है ।
69. हम इनसान के मासूम सपनों पर बिजलियाँ गिरने नहीं देंगे ।
- 70.